www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 308 | जौनपुर सोमवार, 29 जून 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

सेशेल्स के स्वर्ण जयंती समारोह में भारत की दमदार मौजूदगी

सेशेल्स के 50वें राष्ट्रीय दिवस (स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती) समारोह में भारत ने अपनी मजबूत सामरिक साझेदारी और गहरी मित्रता का प्रदर्शन किया है। समारोह में भारतीय सेना की असम रेजिमेंट, भारतीय नौसेना के मार्चिंग दल व नौसैनिक बैंड ने शानदार भागीदारी की। वहीं, भारतीय नौसेना का युद्धपोत भी इस अवसर पर उपस्थित रहा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। भारतीय नौसेना का अग्रिम पंक्ति का युद्धपोत आईएनएस तरकश 26 जून 2026 को ही दक्षिण–पश्चिम हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी परिचालन तैनाती के दौरान सेशेल्स की राजधानी पोर्ट विक्टोरिया पहुंच चुका था। आईएनएस तरकश के साथ स्वदेश में निर्मित सर्वेक्षण पोत आईएनएस इक्षाक भी मौजूद रहा। दोनों पोतों ने राष्ट्रीय दिवस के स्वर्ण जयंती समारोह में मार्चिंग दल और नौसैनिक बैंड के साथ भाग लिया। भारतीय युद्धपोत सेशेल्स रक्षा बलों के साथ पेशेवर संवाद और सामुदायिक गतिविधियों में भी भाग ले रहे हैं। भारतीय नौसेना के अनुसार यह तैनाती समुद्री सहयोग, क्षेत्रीय सुरक्षा तथा महासागर दृष्टिकोण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। सेशेल्स के स्वर्ण जयंती समारोह में भारतीय सैन्य दलों और नौसैनिक जहाजों की भागीदारी विशेष संबंधों का सशक्त प्रतीक है।

अमरनाथ यात्रा 2026– उप–राज्यपाल मनोज सिन्हा ने की 'प्रथम पूजा'

जम्मू–कश्मीर, (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के उप–राज्यपाल मनोज सिन्हा ने पवित्र श्री अमरनाथ जी गुफा में 'प्रथम पूजा' की, जिसके साथ ही सालाना श्री अमरनाथ जी यात्रा की औपचारिक शुरुआत हो गई है। कड़े सुरक्षा इंतजामों के बीच हुई यह पवित्र रस्म यात्रा की आधिकारिक शुरुआत का प्रतीक है। वहीं, जम्मू में अमरनाथ यात्रा 2026 के लिए पहली पूजा–अर्चना ज्येष्ठ पूर्णिमा पर तवी नदी के किनारे की गई। यह समारोह महामंडलेश्वर महंत रामेश्वर दास की मौजूदगी में आयोजित किया गया और इसमें जम्मू के डिप्टी कमिश्नर दिनेश चंद्र और स्थानीय विधायकों समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए। श्री अमरनाथ यात्रा 2026 के लिए मंगलवार को सुरक्षा इंतजामों, गाड़ियों के काफिले की आवाजाही और यात्रा से जुड़ी कुल तैयारियों का जायजा लेने के लिए एक 'ड्राई रन' (अभ्यास) किया गया। इस ट्रायल काफिले को जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से रवाना किया गया और यह जम्मू–श्रीनगर नेशनल हाईवे से होते हुए उधमपुर से बनिहाल की ओर बढ़ा। जम्मू के डिविजनल कमिश्नर रमेश कुमार और आईजीपी जम्मू भीम सेन तुती समेत कई वरिष्ठ अधिकारी, साथ ही सिविल प्रशासन, पुलिस, सीआरपीएफ, सेना और दूसरी सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी इस अभ्यास में शामिल हुए।

अलग-अलग संस्कृतियों का सम्मान करने से विश्वास और सहयोग की बढ़ती है भावना : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम मोदी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर संस्कृत सुभाषित शेयर किया। पीएम मोदी ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, "दुनिया की अलग–अलग संस्कृतियों का सम्मान करने से लोगों के बीच विश्वास और सहयोग की भावना बढ़ती है। इससे आपसी समझ और भाईचारा और मजबूत होता है।" पीएम मोदी ने संस्कृत श्लोक, "देशाचारान् समयाञ्जातिधर्मान् बुभूषते यस्तु परावरज्ञः। स तत्र तत्राधिगतः सदैव महाजनस्याधिपत्यं करोतिः" साझा किया। इस श्लोक का हिंदी अर्थ है कि विभिन्न संस्कृतियों, परंपराओं और सामाजिक नियमों को समझने वाले व्यक्ति में उचित–अनुचित का विवेक विकसित हो जाता है। ऐसा व्यक्ति जहां भी जाता है, वहां सम्मान प्राप्त करता है और श्रेष्ठजनों के बीच अपना प्रभाव स्थापित करता है। इससे पहले 26 जून को प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर सुभाषित शेयर किया था। उन्होंने संस्कृत श्लोक "सङ्गच्छध्वं संवदध्वं, सं वो मनांसि जानताम। देवा भागं यथा पूर्वे, सञ्जानाना उपासतेः" साझा किया था। इस श्लोक का हिंदी अर्थ है कि हम सब साथ मिलकर चलें, एक सुर में बोलें और हमारे मन व विचार एक हों। जिस प्रकार प्राचीनकाल में देवता एकमत होकर अपने कर्तव्यों का निर्वाह करते थे, ठीक उसी तरह हमें भी हमेशा एकता और सौहार्द के साथ कार्य करना चाहिए। पीएम मोदी की ओर से बीते दिन गुरुवार को संस्कृत सुभाषित शेयर कर लिखा गया था, "संविधान हत्या दिवस आज हमें उस काले दौर की याद दिला रहा है, जब भारतीय लोकतंत्र को बुरी तरह से कुचला गया था। यह हमें लोकतंत्र, संविधान और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहने को प्रेरित करता है। आपातकाल का विरोध करने वाली सभी विभूतियों को सादर नमन। साझा किया गया था। जिसका हिंदी अर्थ है कि स्वतंत्रता से ही मनुष्य सुख प्राप्त करता है, स्वतंत्रता से ही सर्वोच्च उपलब्धि पाता है, स्वतंत्रता से ही वह शांत अवस्था को प्राप्त होता है और स्वतंत्रता के माध्यम से ही वह परम पद को प्राप्त करता है।

देश में ही बनेंगे एडवांस प्रिंटेड सर्किट बोर्ड, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर होगा मजबूत – अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि आने वाली एम्बर और एसेंट इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में एक नया चौप्टर शुरू करेंगी। उन्होंने कहा कि उन्नत प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी) देश के इलेक्ट्रॉनिक्स पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करेगा और भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगा। वैष्णव ने 27 जून को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में एक नया चौप्टर। एम्बर और एसेंट इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग प्लांट एडवांस्ड प्रिंटेड सर्किट बोर्ड बनाएगा, जिससे भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम और ग्लोबल कॉम्पिटिटिवनेस मजबूत होगी।" उन्होंने आगे कहा, "यहां बनने वाला हर पीसीबी फॉरेन एक्सचेंज बचाएगा, रुपया मजबूत करेगा और भारत का बैलेंस ऑफ पेमेंट्स बेहतर करेगा।" केंद्रीय मंत्री ने यह बात उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ यमुना सिटी, जेवर में प्रोजेक्ट्स की नींव रखने के बाद कही। इन प्रोजेक्ट्स में साउथ कोरिया की केसीसी के साथ जॉइंट वेंचर, एसेंट–के सर्किट की 3,250 करोड़ रुपए की एडवांस्ड प्रिंटेड सर्किट बोर्ड मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी शामिल है, जो इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री के लिए हाई–डेंसिटी और मल्टी–लेयर पीसीबी बनाएगी। एम्बर एंटरप्राइजेज एचवीएसी कंपोनेंट्स और पीसीबी असेंबली के लिए एक मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी बनाने के लिए अलग से 3,500 करोड़ रुपए इन्वेस्ट करेगी। वैष्णव ने पहले कहा था ।

बाघों का संरक्षण वनों, जलक्षेत्रों और समृद्ध जैव विविधता की भी रक्षा करता है – भूपेंद्र यादव

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि बाघ संरक्षण केवल एक प्रजाति की रक्षा करने के बारे में नहीं है, बल्कि वनों, जलक्षेत्रों और समृद्ध जैव विविधता के संरक्षण के बारे में भी है, जो बाघों के आवास का हिस्सा है। बाघ संरक्षण में देश की उपलब्धियों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में बाघ अभ्यारण्यों की संख्या 46 से बढ़कर 58 हो गई है। यादव ने यह भी बताया कि भारत ने 2022 तक वनों में बाघों की आबादी को दोगुना करने के सेंट पीटर्सबर्ग घोषणा के लक्ष्य को सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने रविवार को राजस्थान के अलवर में "बाघों का पुनर्वास अवसर और चुनौतियां" विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया और बाघ संरक्षण और प्रोजेक्ट्स चीता पर तीन प्रकाशनों का विमोचन किया। यादव ने सरिस्का बाघ पुनर्वास कार्यक्रम को वन्यजीव संरक्षण में एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह विश्व में बाघों का पहला सफल वैज्ञानिक पुनर्वास है जो उस क्षेत्र में किया गया है जहां यह प्रजाति स्थानीय रूप से विलुप्त हो गई थी। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम वैज्ञानिक प्रबंधन, समर्पित संरक्षण प्रयासों और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से प्रजातियों के पुनर्वास का एक सफल वैश्विक उदाहरण है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पन्ना और सरिस्का में बाघों का सफल पुनर्वास स्थानीय समुदायों के सहयोग और भागीदारी के कारण ही संभव हो पाया है। उन्होंने उल्लेख किया कि ओडिशा के सतकोसिया बाघ अभ्यारण्य में सामुदायिक सहयोग की कमी के कारण ऐसी सफलता प्राप्त नहीं की जा सकी।

12 वर्षों में मोदी सरकार ने 70 करोड़ गरीबों का जीवन बदला – गृह मंत्री अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने पिछले 12 वर्षों में 70 करोड़ गरीबों के जीवन में व्यापक बदलाव लाया है। उन्होंने कहा कि आवास, बिजली, शौचालय, पेयजल, रसोई गैस, खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराकर देश का सबसे व्यापक गरीबी उन्मूलन अभियान चलाया गया है। गांधीनगर में पीएम फैमिली केयर ट्रैकर (पीएम–एफसीटी) पायलट परियोजना और हेल्थ पासपोर्ट का शुभारंभ करने के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2014 से सरकार का प्रमुख लक्ष्य गरीबों के जीवन स्तर में सुधार करना रहा है। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के 70 करोड़ गरीबों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए व्यापक प्रयास किए गए हैं।" केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वर्ष 2014 से पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश के अपने दौरों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने वहां अत्यधिक गरीबी को करीब से देखा था। उन्होंने कहा, "ऐसा नहीं है कि गुजरात में गरीबी नहीं थी, लेकिन जब मैं उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र में गया तो मुझे वास्तविक गरीबी का एहसास हुआ। लोगों के पास रहने के लिए घर नहीं थे। घर नहीं था तो बिजली भी नहीं थी। अनगिनत घरों में शौचालय नहीं थे। जहां झोपड़ी थी, वहां भी घर के भीतर पानी की सुविधा नहीं थी।" उन्होंने कहा कि उस समय महिलाएं पारंपरिक चूल्हों पर घंटों खाना बनाती थीं और अधिकांश परिवारों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच से बाहर थीं। गृह मंत्री ने कहा, "माताएं पूरी जिंदगी धुएं वाले चूल्हे पर खाना बनाती थीं। परिवार अगले दिन के भोजन की व्यवस्था करने के लिए दिन–रात मेहनत करता था। आर्थिक स्थिति ऐसी थी कि बीमारी होने पर इलाज के नाम पर भगवान से प्रार्थना करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता था।

कुकरू हिल स्टेशन के विकास के लिए 150 करोड़ रुपए की घोषणा- सीएम मोहन यादव

भोपाल, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को बैतूल जिले के कुकरू हिल स्टेशन को प्राकृतिक सौंदर्य और ईको–टूरिज्म के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना पेश की। भौगोलिक संदर्भ उन्होंने कुकरू, चिखलदरा, मुक्तागिरी और मेलघाट को जोड़ने वाले 150 करोड़ रुपए के एकीकृत पर्यटन सर्किट के निर्माण की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र की प्राकृतिक संपदाओं को बढ़ावा देने पर जोर दिया। महिला स्वयं सहायता समूहों और वन विभाग के सहयोग से श्कुकरू नेचुरलश ब्रांड के तहत इकाइयां स्थापित की जाएंगी। इनके माध्यम से कॉफी, कोदो–कुटकी, आंवला, शहद, हर्रा, बहेड़ा, सफेद मूसली और भिलवा जैसे स्थानीय उत्पादों का प्रसंस्करण और विपणन किया जाएगा। इसके अलावा घी, मावा और दही जैसे डेयरी उत्पादों की बिक्री के लिए भी केंद्र स्थापित किए जाएंगे।कॉफी बोर्ड के तकनीकी सहयोग से रोबस्टा और अरेबिका कॉफी की खेती और प्रसंस्करण के लिए 10 करोड़ रुपए की परियोजना भी शुरू की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह घोषणा कुकरू हिल स्टेशन के दौरे के दौरान की। उन्होंने दिन की शुरुआत विश्राम गृह परिसर में योग सत्र से की। इस दौरान उन्होंने मयूरासन, ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन और शलभासन सहित विभिन्न योगासन किए। साथ ही नाड़ी शोधन, तितली और भ्रामरी प्राणायाम का अभ्यास भी किया। उन्होंने लोगों से बेहतर स्वास्थ्य के लिए योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की।मुख्यमंत्री ने कुकरू से ही पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत की और बच्चों को पोलियो की दवा भी पिलाई। कुकरू की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यहां ईको–टूरिज्म सुविधाएं, सूर्योदय और सूर्यास्त देखने के लिए विशेष प्वाइंट, आधुनिक बुनियादी ढांचा और ट्रैकिंग जैसे एडवेंचर स्पोर्ट्स विकसित किए जाएंगे। स्थानीय आदिवासी समुदायों को सशक्त बनाने के लिए होम–स्टे स्थापित किए जाएंगे, जिनका संचालन मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम की तर्ज पर किया जाएगा।

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने पर चंद्रबाबू नायडू और सुनील भारती मित्तल के बीच हुई चर्चा

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक और चेयरमैन सुनील भारती मित्तल के साथ राज्य की डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और कनेक्टिविटी बढ़ाने को लेकर चर्चा की। सुनील भारती मित्तल ने अमरावती स्थित मुख्यमंत्री आवास पर चंद्रबाबू नायडू से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर बताया कि सुनील भारती मित्तल से उनकी सार्थक और सकारात्मक चर्चा हुई। उन्होंने कहा, श्हमने आंध्र प्रदेश की डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और लोगों तक बेहतर कनेक्टिविटी पहुंचाने पर चर्चा की। बातचीत में अंतिम छोर तक इंटरनेट और मोबाइल टावर कनेक्टिविटी बढ़ाने, डेटा सेंटर और समुद्र के नीचे इंटरनेट केबल लैंडिंग स्टेशन में निवेश को बढ़ावा देने तथा मोबाइल सेवा प्रदाताओं के लिए कारोबार सुगमता को और बेहतर बनाने जैसे विषय शामिल रहे।हालांकि, दोनों के बीच हुई बातचीत का विस्तृत ब्यौरा अभी सामने नहीं आया है। इस संबंध में राज्य सरकार की ओर से बाद में आधिकारिक बयान जारी किए जाने की संभावना है। भारती एयरटेल की डेटा सेंटर इकाई एयरटेल एनएक्स्ट्रा विशाखापत्तनम में बन रहे गूगल एआई डेटा सेंटर की साझेदार कंपनियों में शामिल है। करीब 15 अरब डॉलर के निवेश वाले इस प्रोजेक्ट में स्वच्छ ऊर्जा से संचालित गीगावाट क्षमता वाले डेटा सेंटर विकसित किए जाएंगे। साथ ही इसे मजबूत समुद्री केबल नेटवर्क का भी समर्थन मिलेगा।इस डेटा सेंटर परियोजना की आधारशिला अप्रैल में रखी गई थी। इसे लगभग 600 एकड़ भूमि पर विकसित किया जाएगा और इसकी कुल क्षमता 1 गीगावाट होगी।

भारत ने एवीसी मेंस कप में जीता ऐतिहासिक ब्रॉन्ज, मनसुख मांडविया ने सराहा

अहमदाबाद। भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम ने रविवार को अहमदाबाद में ब्रॉन्ज मेडल प्ले–ऑफ मैच में मौजूदा चौंपियन बहरीन को 3–1 (25–23, 23–25, 25–21, 25–17) से शिकस्त दी। इसी के साथ मेजबान देश ने एवीसी मेंस कप में अपना पहला मेडल जीता। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने ऐतिहासिक प्रदर्शन के लिए भारतीय टीम को सराहा है।इस उपलब्धि पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर लिखा, ष्भारतीय वॉलीबॉल के लिए ऐतिहासिक दिन। एवीसी मेंस कप 2026 में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर हमारी पुरुष वॉलीबॉल टीम को बहुत–बहुत बधाई। पूरे देश को आप पर गर्व है।वहीं, गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने श्एक्सश पर लिखा, ष्टीम इंडिया के लिए ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल। पहली बार, हमारी पुरुष वॉलीबॉल टीम ने एवीसी मेंस वॉलीबॉल कप में मेडल जीता है और यह जीत अहमदाबाद में ही हासिल की है। अहमदाबाद ने न सिर्फ इस टूर्नामेंट की मेजबानी की, बल्कि इसे प्रेरित भी किया। जय हिंद।ष् यह ऐतिहासिक जीत भारत के लिए एक यादगार टूर्नामेंट का समापन थी। इंडोनेशिया से सेमीफाइनल में करीबी हार की निराशा से उबरते हुए टीम ने शानदार वापसी की और टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार पोडियम पर जगह बनाई। इससे ठीक एक दिन पहले, भारत ऐतिहासिक फाइनल में पहुंचने के बहुत करीब था, लेकिन एशिया की एक दिग्गज वॉलीबॉल टीम के खिलाफ रोमांचक मैच 2–3 (25–15, 24–26, 20–25, 25–19, 13–15) से हार गया। मौजूदा चौंपियन बहरीन के खिलाफ ब्रॉन्ज मेडल प्ले–ऑफ में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3–1 से जीत दर्ज की और देश के लिए पहला एवीसी मेंस कप मेडल जीतकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। ब्रॉन्ज मेडल भारतीय वॉलीबॉल के लिए एक और अहम कदम है। ऐतिहासिक जीत राष्ट्रीय टीम की लगातार तरक्की को दिखाती है और भविष्य के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए बड़ी उम्मीद जगाती है।

ग्रेटर नोएडा के दादरी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पुराना हैबतपुर में 355 मीटर आरसीसी सड़क निर्माण का शिलान्यास विधायक तेजपाल सिंह नागर के द्वारा किया गया

ब्यूरो चीफध्सत्य प्रकाश उपाध्याय

ग्रेटर नोएडा । दादरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पुराना हैबतपुर में विकास कार्यों को नई गति देते हुए विधायक तेजपाल सिंह नागर की विधायक निधि से बसंत चौधरी के मकान से राज इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल होते हुए पार्थ मटेरियल ऑफिस तक 355 मीटर आरसीसी सड़क निर्माण कार्य का आज विधिवत शिलान्यास संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में दादरी विधायक तेजपाल सिंह नागर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष भाजपा गौतमबुद्ध नगर अभिषेक शर्मा ने सहभागिता कर क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने कहा कि प्रदेश एवं केंद्र सरकार के नेतृत्व में दादरी विधानसभा में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं। यह सड़क निर्माण क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग थी, जिसके पूर्ण होने से स्थानीय लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान (KDSG अस्पताल के द्वारा निःशुल्क हेल्थ कैंप लगया गया,एवं मीठे पानी के वितरण का भी किया गया, वहीं सुप्रसिद्ध लोक गायिका खुशबू तिवारी ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। सभी ने इस विकास कार्य के लिए केंद्र एवं प्रदेश सरकार तथा जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में भाजपा नेता कन्हैया गुप्ता समेत राजकुमार दुबे मंडल मंत्री बिसरख, संगीता तिवारी मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा बिसरख, ममता तिवारी जिला कार्य समिति सदस्य गौतम बुद्ध नगर, जितेंद्र सेन महासचिव बिसरख मंडल, किसा श्रीवास्तव उपाध्यक्ष महिला मोर्चा, रमन प्रकाश उपाध्यक्ष, आशुतोष भटनागर उपाध्यक्ष, क्षितिज गुप्ता कोषाध्यक्ष, तमाम वरिष्ठ पदाधिकारी एवं पुराना हैबतपुर परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने सभी अतिथियों, कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास और जनसेवा के लिए भविष्य में भी इसी प्रकार कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

संपादकीय

देश में आक्रोश

फारस की खाड़ी की नौसैनिक नाकेबंदी के बावजूद अमेरिकी नौ सेना ने चीन या रूस से संबंधित किसी टैंकर पर हमला नहीं किया है। क्यों? क्या वह उन देशों को मजबूत और भारत को कमजोर मानता है? ओमान की खाड़ी में तीन विदेशी झंडे वाले वाणिज्यिक टैंकरों पर अमेरिकी हमलों में तीन भारतीयों की मौत पर उचित ही देश में आक्रोश फैला है। इन घटनाओं पर देशवासियों का व्यग्र होना भी स्वाभाविक है। बेशक, ये घटनाएं नरेंद्र मोदी सरकार की विदेश नीति की एक दुखद टिप्पणी हैं। अजीब विडंबना है कि अमेरिका और भारत खुद को श्रमुख रक्षा भागीदारा्य बताते हैं। इसके बावजूद अमेरिकी नौसेना ने अंतरराष्ट्रीय जल–क्षेत्र में वाणिज्यिक टैंकरों पर मिसाइल दाग कर भारतीय नाविकों की जान ले ली। यह साफ हो चुका है कि अमेरिकी नौसेना का तीनों विदेशी ध्वज वाले वाणिज्यिक टैंकरों के चालक दल से सीधा संपर्क था। यानी हमला शुरू करने से पहले उसे मालूम था कि चालक दल के सदस्य भारतीय हैं। मगर अमेरिकी नौसेना ने भारतीयों की जान और भारतवासियों की भावनाओं की तनिक परवाह नहीं की। उचित ही इस क्रम में पिछले मार्च में हुई उस घटना का उल्लेख हुआ है, जब अमेरिकी नौसेना ने भारतीय तट के करीब ही एक ईरानी युद्धपोत को डुबो दिया था। वह ईरानी जहाज भारत के आमंत्रण पर भारत में हुए नौसैनिक अभ्यास में भाग लेने आया था। गैर–लड़ाकू स्थिति में आए उस जहाज के लौटते वक्त अंतरराष्ट्रीय कायदों और आम नैतिकता को ठेंगे पर रखते हुए अमेरिका ने उसे डुबोया। उस घटना पर भारत सरकार की चुप्पी चर्चा का विषय बनी थी। अगर भारत ने उस समय पुरजोर विरोध जताया होता, तो ये संभव था कि ओमान की खाड़ी में भारतीय नाविकों को निशाना बनाने की बेपरवाह कार्रवाई करने से पहले अमेरिकी नौ सेना को कई बार सोचना पड़ता। यह भी गौरतलब है कि अमेरिका कच्चे तेल का परिवहन करने वाले जिन जहाजों को श्डीडो फ्लीटश्य बताता है, उनमें से अनेक चीन और रूस से भी जुड़े हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय कानून में बिना किसी आधार के पिछले 13 अप्रैल को डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने होरमुज जलडमरुमध्य की नौसैनिक नाकेबंदी शुरू की थी। इसके बावजूद अमेरिकी सेना ने सीधे चीन या रूस से संबंधित किसी टैंकर पर हमला नहीं किया है। क्यों? क्या वह उन देशों को मजबूत और भारत को कमजोर मानता है?

नई भाजपा के रोल मॉडल हैं योगी, हेमंत और शुभेंदु

संजय

उत्तर प्रदेश एक ऐसे मुख्यमंत्री से रूबरू है, जिसे राजनीति के मैदान में बहुत गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था। उनके बारे में यह ख्यात था कि वे एक खास वर्ग की राजनीति करते हैं और भारतीय जनता पार्टी भी उनकी राजनीतिक शैली से पूरी तरह सहमत नहीं है। लेकिन उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने जिस तरह अपनी पकड़ बनाई है और देश में एक अलग माडल खड़ा दिया है, वह सर्वत्र चर्चा का विषय है। इससे यह भी साबित हो रहा है कि 'अपनी राजनीति' के प्रति भाजपा का आत्मदैन्य कम हो रहा है। वहीं असम में हेमंत विश्वशर्मा उम्मीदों का चेहरा बनकर उभरे हैं, असम में तीसरी बार सरकार बनाकर भाजपा ने पूर्वोत्तर में इतिहास रच दिया है। इसी तरह गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति से पश्चिम बंगाल की विजय ऐतिहासिक कही जा रही है और वहां बने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के ताबड़तोड़ फैसलों ने जनविश्वास की हिलोरें पैदा की हैं। जड़ता को तोड़कर एक नई उम्मीद बनी है। केंद्रीय राजनीति में नरेंद्र मोदी और अमित शाह के आगमन ने भारतीय राजनीति के परिदृश्य को बदलकर रख दिया है। भाजपा का आज तक का ट्रैक हिंदुत्व का वैचारिक और राजनीतिक इस्तेमाल कर सत्ता में आने का रहा है। देश की राजनीति में चल रहे विमर्श में भाजपा बड़ी चतुराई से इस कार्ड का इस्तेमाल तो करती थी, किंतु उसके नेतृत्व में इसे लेकर एक हिचक बनी रहती थी। वो हिचक अटल जी से लेकर आडवानी तक हर दौर में दिखी है। भाजपा का हर नेता सत्ता पाने के बाद यह साबित करने में लगा रहता है वह अन्य दलों के नेताओं के कम 'सेकुलर' नहीं है। उत्तर प्रदेश की 'आदित्यनाथ परिघटना' दरअसल भाजपा की वैचारिक हीनग्रंथि से मुक्ति को स्थापित करती नजर आती है। नरेंद्र मोदी के राज्यारोहण के बाद योगी आदित्यनाथ का उदय भारतीय राजनीति में एक अलग किस्म की राजनीति की स्वीकृति का प्रतीक है। एक धर्मप्राण देश में धार्मिक प्रतीकों, भगवा रंग, सन्यासियों के प्रति जैसी विरक्ति मुख्यधारा की राजनीति में दिखती थी, वह अन्यत्र दुर्लभ है। भाजपा जैसे दल भी इस सेकुलर विकार से कम ग्रस्त न थे। धर्म और धर्माचार्यों का इस्तेमाल, धार्मिक आस्था का दोहन और सत्ता पाते ही सभी धार्मिक प्रतीकों से मुक्ति लेकर सारी राजनीति सिर्फ तुष्टीकरण में लग जाती थी। प्रधानमंत्रियों समेत जाने कितने सत्ताधीशों के ताज जामा मस्जिद में झुके होगें, लेकिन हिंदुत्व के प्रति उनकी हिचक निरंतर थी। यह भी कम आश्चर्यजनक नहीं की एक समय में दीनदयाल जी उदार थे, तो अटलजी और बलराज मधोक अपनी वक्रता के चलते उग्र नेता माने जाते थे। अटलजी का दौर आया तो लालकृष्ण आडवाणी उग्र कहे जाने लगे, फिर एक समय ऐसा भी आया जब आडवानी उदार हो गए और नरेंद्र मोदी उग्र मान जाने लगे। आज की व्याख्याएं सुनें– नरेंद्र मोदी उदार हो गए हैं और योगी आदित्यनाथ और गृहमंत्री अमित शाह उग्र माने जाने लगे हैं। अब तो असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वशर्मा और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी आदित्यनाथ की परंपरा के मुख्यमंत्री कहे जाने लगे हैं। यह मीडिया, बौद्धिकों की अपनी रोज बनाई जाती व्याख्याएं हैं। लेकिन सच यह है कि अटल, मधोक, आडवानी, मोदी, अमित शाह या आदित्यनाथ, हेमंत विश्वशर्मा और शुभेंदु अधिकारी कोई अलग–अलग लोग नहीं है। एक विचार के प्रति समर्पित राष्ट्रनायकों की सूची है यह। इसमें कोई कम जा ज्यादा उदार या कठोर नहीं है। किंतु भारतीय राजनीति का विमर्श ऐसा है जिसमें वास्तविकता से अधिक ड्रामे पर भरोसा है। भारतीय राजनेता की मजबूरी है कि वह टोपी पहने, रोजा भले न रखे किंतु इफ्तार की दावतें दे। आप ध्यान दें सरकारी स्तर पर यह प्रहसन लंबे समय से जारी रहा है। भाजपा भी इसी राजनीतिक क्षेत्र में काम करती है। उसमें भी इस तरह के रोग हैं। वह भी राष्ट्रनीति के साथ थोड़े तुष्टिकरण को गलत नहीं मानती। जबकि उसका अपना नारा रहा है सबको न्याय, तुष्टिकरण किसी का नहीं। उसका एक नारा यह भी रहा है–'राम, रोटी और इंसाफ'। लंबे समय के बाद भाजपा में अपनी वैचारिक लाइन को लेकर गर्व का बोध दिख रहा है। असरे बाद वे भारतीय राजनीति के सेकुलर संक्रमण से मुक्त होकर अपनी वैचारिक भूमि पर गरिमा के साथ खड़े दिख रहे हैं। समझौतों और आत्मसमर्पण की मुद्राओं के बजाए उनमें अपनी वैचारिक भूमि के प्रति हीनताग्रंथि के भाव कम हुए हैं। अब वे अन्य दलों की नकल के बजाए एक वैचारिक लाइन लेते हुए दिख रहे हैं। दिखावटी सेकुलरिज्म के बजाए वास्तविक राष्ट्रीयता के उनमें दर्शन हो रहे हैं। मोदी जब एक सौ चालीस करोड़ हिंदुस्तानियों की बात करते हैं तो बात अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक से ऊपर चली जाती है। यहां देश सम्मानित होता है, एक नई राजनीति का प्रारंभ दिखता है। एक भगवाधारी संन्यासी जब मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठता है तो वह एक नया संदेश देता है। वह संदेश त्याग का है, परिवारवाद के विरोध का है, तुष्टिकरण के विरोध का है, सबको न्याय का है। आजादी के बाद के सत्तर सालों में देश की राजनीति का विमर्श भारतीयता और उसकी जड़ों की तरफ लौटने के बजाए घोर पश्चिमी और वामपंथी रह गया था। जबकि बेहतर होता कि आजादी के बाद हम अपनी ज्ञान परंपरा की ओर लौटते और अपनी जड़ों को मजबूत बनाते। किंतु सत्ता, शिक्षा, समाज और राजनीति में हमने पश्चिमी तो, कहीं वामपंथी विचारों के आधार पर चीजें खड़ी कीं। इसके कारण हमारा अपने समाज से ही रिश्ता कटता चला गया। सत्ता और जनता की दूरी और बढ़ गयी। सत्ता दाता बन बैठी और जनता याचक। सेवक मालिक बन गए। ऐसे में लोकतंत्र एक छद्म लोकतंत्र बन गया। यह लोकतंत्र की विफलता ही है कि हम सत्तर साल के बाद सड़कें बना रहे हैं। यह लोकतंत्र की विफलता ही है कि हमारे अपने नौजवानों ने भारतीय राज्य के खिलाफ बंदूकें उठा रखी थीं। गृहमंत्री अमित शाह के दृढ़संकल्प की बदौलत आज माओवादी आतंक का अंत भी हमने देखा। पिछले सत्तर सालों में लोकतंत्र की विफलता की ये कहानियां सर्वत्र बिखरी पड़ी हैं। राजनीतिक तंत्र के प्रति उठा भरोसा भी साधारण नहीं था। आज ऐसा लगता है कि राजनीति से कुछ हो सकता है।

सबसे लंबे समय तक प्रत्य रक्ष रूप से निर्वाचितर प्रधानमंत्री

सुशर्मिष्ठा मुखर्जी

भारत में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले नेता को लेकर चल रही बहस के बीच, मुझे मेरे पिता, स्वर्गीय प्रणब मुखर्जी की 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अभूतपूर्व जीत के बारे में बताई गई एक दिलचस्प बात याद आती है। उस समय बाबा भारत के 13वें राष्ट्रपति थे। अलग–अलग राजनीतिक विचारधाराओं से जुड़े होने के बावजूद, उनके बीच बहुत अच्छे संबंध थे, जो शायद एक सच्चे लोकतंत्र की वास्तविक पहचान है। चुनाव परिणाम आने के बाद, मोदी राष्ट्रपति भवन में बाबा से मिलने आए। बातचीत के दौरान, बाबा ने मोदी से चुनाव के बारे में उनका विश्लेषण पूछा। उन्होंने उत्तर दिया कि तीन दशकों के बाद किसी राजनीतिक पार्टी को पूर्ण बहुमत मिला है। तब बाबा ने अपने विशिष्ट प्रोफेसर वाले अंदाज में पूछा, और क्या? जब मोदी चुप रहे, तो बाबा ने बताया कि 2014 का लोकसभा चुनाव इतिहास में अनोखा था, क्योंकि इसमें प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर एक नया चेहरा पहले ही घोषित कर दिया गया था। भारतीय जनता पार्टी को मिला लोगों का अपार समर्थन केवल उनकी पार्टी के लिए नहीं था, बल्कि यह लोगों का नरेन्द्र मोदी को भारत का प्रधानमंत्री बनाने के लिए सीधा जनादेश था। दूसरे चुनावों के विपरीत, जहाँ प्रधानमंत्री का चेहरा या तो मान लिया जाता है पर आधिकारिक तौर पर घोषित नहीं किया जाताया या परंपरा के अनुसार नवनिर्वाचित सांसद उनका चुनाव करते हैं या यह गठबंधन के गणित से तय होता है और यह प्रक्रिया चुनाव के बाद होती है। मोदी से पहले डॉ. मनमोहन सिंह, जो कभी जन–नेता नहीं रहे, उन्हें तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी ने चुना था। भारत के दो प्रधानमंत्री, पी.वी. नरसिम्हा राव और एच.डी. देवेगौड़ा – तो प्रधानमंत्री बनने के समय संसद के सदस्य भी नहीं थे। सरल शब्दों में कहें तो, प्रधानमंत्री का चुनाव वरिष्ठ राजनेता करते थे। 2014 भारतीय राजनीति के चुनावी समीकरणों में एक बहुत बड़ा बदलाव था, जहां देश की जनता ने नरेन्द्र मोदी को लगभग राष्ट्रपति चुनाव की ही तरह, स्पष्ट रूप से और बिना किसी संदेह के अपना प्रधानमंत्री चुना। उल्लेखनीय है कि 2014 से पहले नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय राजनीति में नए थे। उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर अपने लंबे कार्यकाल के दौरान अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई थी, लेकिन 2014 उनका पहला लोकसभा चुनाव था। यह एक अनोखी बात है कि पहली बार सांसद बनने वाले नेता ने देश के प्रधानमंत्री के रूप में पहली बार संसद भवन में प्रवेश किया। (पुरानी) संसद की सीढ़ियों पर प्रणाम करने का उनका भावुक कदम हृदय को छू लेने वाला ऐसा क्षण था, जिसने करोड़ों भारतीयों के हृदय में अपनी जगह बना ली। चुनाव में विजय का कभी भी कोई एक कारण नहीं होताय यह कई कारकों से जुड़ी एक जटिल प्रक्रिया है। भाजपा का जमीनी स्तर पर मजबूत संगठन, अलग–अलग जातियों और समुदायों तक लगातार पहुँचने की रणनीति, अपनी गलतियों को शीघ्र पहचानना और तुरंत सुधार करने की इच्छाशक्ति कृ ये कुछ ऐसी मुख्य बातें हैं जिन्होंने विद्यमान भाजपा को चुनाव जीतने वाली एक ऐसी शक्ति बना दिया है, जिसे वर्तमान में रोक पाना दुष्कर लगता है। हालांकि, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि नरेन्द्र मोदी का चेहरा शायद भाजपा का सबसे मजबूत ट्रंप कार्ड है। लोग उनमें एक ऐसा मजबूत नेता देखते हैं, जो अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत के दम पर आगे बढ़ा है, न कि कांग्रेस की तरह वंशवादी विरासत या परिवार–शासित क्षेत्रीय पार्टियों की मजबूत पकड़ के कारण। एक तरह से नरेन्द्र मोदी भाजपा के पर्याय बन गए हैं। मैं हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव के बारे में बंगाल के मित्रों के साथ हुई कुछ बातचीत का उल्लेख करना चाहूंगी। जहां मेरे अपने रिश्तेदार अभी भी कांग्रेस के कट्टर समर्थक हैं और बंगाल में कांग्रेस को मिले मामूली 2.9 प्रतिशत वोट शेयर में उनका भी योगदान था, वहीं मेरे अधिकतर दोस्तों और परिचितों ने भाजपा को वोट दिया था। चुनाव से पहले, मैं उनसे पूछती थी कि वे किस पार्टी को वोट देंगे। अधिकतर लोगों का उत्तर यही होता था कि वे मोदी को वोट देंगे। मैं उन्हें याद दिलाती थी कि यह विधानसभा चुनाव है और मोदी चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। उनका उत्तर हमेशा यही होता थाकृओई एक–ई व्यापारकृयानी बात एक ही है। नरेन्द्र मोदी न केवल देश के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले चुने हुए प्रधानमंत्री हैं, बल्कि शायद स्वीतंत्रता के बाद देश ने जितने भी प्रधानमंत्री देखे हैं, उनमें से वे सबसे मजबूत नेताओं में से एक हैं। वे गठबंधन सरकारों, जो अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए दूसरों पर निर्भर रहती हैं, के उन व्यावहारिक (अक्सर ब्लैकमेल करने वाले तरीकों) का शिकार हुए।

भरोसे के रिश्तों के कत्ल से कांपता समाज

ललित

पुणे के लोहगढ़ किले की ऊंची पहाड़ी से मंगेतर केतन अग्रवाल को धक्का देकर हत्या करने के आरोप में सिया गोयल की गिरफ्तारी ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इससे पहले मेघालय में इंदौर के राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान कथित तौर पर पत्नी सोनम रघुवंशी द्वारा प्रेमी के साथ मिलकर की गई हत्या की घटना ने भी समाज को स्तब्ध किया था। ये घटनाएं केवल अपराध की श्रेणी में रखकर भुला देने योग्य नहीं हैं। ये उन मूल्यों, विश्वासों और रिश्तों की बुनियाद पर गहरा आघात हैं, जिन पर भारतीय समाज सदियों से खड़ा रहा है। भारतीय संस्कृति में विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों, दो संस्कृतियों और दो जीवन–दृष्टियों का मिलन माना गया है। विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा गया है। ऐसे में यदि कोई पति, पत्नी, मंगेतर या प्रेमी एक–दूसरे को जीवन का साथी मानने के बजाय बाधा और कांटा समझने लगे, तो यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के संकट का संकेत है। राजा रघुवंशी और केतन अग्रवाल जैसे मामलों में सबसे अधिक विचलित करने वाला पक्ष यह है कि हत्याएं उन लोगों ने कीं, जिन पर सबसे अधिक विश्वास किया गया था। विश्वास का यह टूटना ही समाज को भयभीत करता है। किसी भी सभ्यता की शक्ति उसकी सैन्य या आर्थिक ताकत नहीं, बल्कि उसके रिश्तों में निहित भरोसा होता है। जब यह भरोसा टूटने लगता है, तब समाज भीतर से कमजोर होने लगता है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि कोई युवती या युवक किसी रिश्ते से संतुष्ट नहीं है, तो क्या उसके सामने 'ना' कहने का विकल्प नहीं था? आधुनिक समाज ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता को पर्याप्त स्थान दिया है। सगाई तोड़ना, विवाह से इनकार करना, आपसी सहमति से अलग होना–ये सभी वैधानिक और सामाजिक विकल्प उपलब्ध हैं। फिर हत्या जैसी भयावह मानसिकता क्यों जन्म ले रही है? इस प्रश्न का उत्तर केवल कानून या पुलिस के पास नहीं है। इसके लिए समाजशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, धर्माचार्यों और परिवार संस्थाओं को मिलकर मंथन करना होगा। आज का युवा एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां पारंपरिक मूल्य और आधुनिक जीवनशैली के बीच गहरा द्वंद्व मौजूद है। एक ओर परिवार की अपेक्षाएं हैं, दूसरी ओर व्यक्तिगत इच्छाएं। संवाद के अभाव में यह द्वंद्व कई बार मानसिक तनाव, विद्रोह और हिंसा का रूप ले लेता है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने श्रद्धा वालकर हत्याकांड, निक्की यादव हत्याकांड, बेंगलुरु, दिल्ली और अन्य महानगरों में प्रेम–संबंधों से जुड़े अनेक जघन्य अपराध देखे हैं। इन घटनाओं ने स्पष्ट किया है कि प्रेम, विवाह और संबंधों को लेकर समाज में गहरी अस्थिरता एवं अविश्वास बढ़ रहा है। यह अस्थिरता केवल स्त्री या पुरुष तक सीमित नहीं है, दोनों पक्षों में हिंसक प्रवृत्तियां दिखाई दे रही हैं। मोबाइल संस्कृति और डिजिटल संसार ने इस संकट को और जटिल बनाया है। मोबाइल फोन, जो कभी दूरियों को समाप्त करने का माध्यम था, आज अनेक मामलों में षडयंत्र, छल और अपराध का साधन बनता जा रहा है। सोशल मीडिया ने तुलना, उपभोगवाद, त्वरित सुख और आभासी संबंधों को बढ़ावा दिया है। डिजिटल दुनिया में बने रिश्ते कई बार वास्तविक जीवन की जिम्मेदारियों और मर्यादाओं से कटे होते हैं। परिणामस्वरूप धैर्य, सहनशीलता और त्याग जैसी पारिवारिक जीवन की आवश्यक विशेषताएं कमजोर पड़ रही हैं। एक अन्य गंभीर पक्ष सांप्रदायिक अविश्वास और तथाकथित 'लव जिहाद' जैसे विवादों के संदर्भ में भी सामने आता है। जब प्रेम, विवाह या संबंधों का उपयोग छल, पहचान छिपाने, धार्मिक परिवर्तन, आर्थिक शोषण अथवा भावनात्मक उत्पीड़न के लिए किया जाता है, तब केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि समुदायों के बीच विश्वास का भी हनन होता है। यह आवश्यक है कि किसी भी प्रकार के संबंध पारदर्शिता, स्वेच्छा, समानता और ईमानदारी पर आधारित हों। पहचान छिपाकर, धोखे से अथवा किसी वैचारिक एजेंडे के तहत बनाए गए संबंध सामाजिक सौहार्द को चोट पहुंचाते हैं। लेकिन इस विषय पर संतुलित दृष्टिकोण भी आवश्यक है। कुछ घटनाओं के आधार पर किसी सम्पूर्ण समुदाय को दोषी ठहराना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि सामाजिक सद्भाव के लिए भी घातक है। भारत की शक्ति उसकी विविधता और सांप्रदायिक सौहार्द में निहित है। सदियों से विभिन्न धर्मों, जातियों और संस्कृतियों के लोग यहां पारस्परिक सम्मान और विश्वास के आधार पर साथ रहते आए हैं। अतः किसी भी अपराध को अपराधी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए, न कि पूरे समुदाय की पहचान के रूप में। हमें प्रेम के नाम पर छल का विरोध करना चाहिए, लेकिन साथ ही सामाजिक सौहार्द और मानवीय एकता को भी अक्षुण्ण रखना होगा। आज सबसे बड़ी चुनौती परिवार संस्था को पुनः सशक्त बनाने की है। संयुक्त परिवारों के विघटन, महानगरीय जीवन, एकाकीपन और अत्यधिक व्यस्तता ने परिवार के भीतर संवाद को कम कर दिया है। माता–पिता और बच्चों के बीच संवादहीनता बढ़ रही है। बच्चों को भौतिक सुविधाएं तो मिल रही हैं, लेकिन भावनात्मक सुरक्षा और मूल्यपरक संस्कार कम होते जा रहे हैं। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में केवल रोजगारपरक शिक्षा पर्याप्त नहीं है। वहां जीवन–कौशल, नैतिक शिक्षा, भावनात्मक संतुलन, संबंध प्रबंधन और पारिवारिक मूल्यों पर भी गंभीर कार्य होना चाहिए। युवा पीढ़ी को यह समझाना होगा कि प्रेम का अर्थ अधिकार नहीं–उत्तरदायित्व है, संबंध का अर्थ उपभोग नहीं–समर्पण है और मतभेद का समाधान हिंसा नहीं–संवाद है। धर्म और आध्यात्मिक संस्थाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी धर्म प्रेम, करुणा, सत्य, अहिंसा और सह–अस्तित्व का संदेश देते हैं। यदि धार्मिक संस्थाएं युवा पीढ़ी को मानवीय मूल्यों, आत्मसंयम और संवाद की संस्कृति से जोड़ें, तो अनेक सामाजिक विकृतियों को रोका जा सकता है। आचार्य तुलसी, आचार्य महाप्रज्ञ, महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद जैसे चिंतकों ने सदैव चरित्र, नैतिकता और आत्मानुशासन को समाज की आधारशिला माना। पुणे और मेघालय की घटनाओं ने हमें चेतावनी दी है कि यदि हम अभी नहीं चेते, तो रिश्तों का संकट और गहरा सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम परिवार, समाज और राष्ट्र–तीनों स्तरों पर विश्वास की पुनर्स्थापना का अभियान चलाएं। परिवारों में संवाद बढ़े, युवाओं को निर्णय की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी का बोध कराया जाए, डिजिटल संस्कृति पर संयम हो और सामाजिक–सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत बनाया जाए। सभ्यता की पहचान ऊंची इमारतों, तकनीकी प्रगति और आर्थिक समृद्धि से नहीं होतीय उसकी पहचान इस बात से होती है कि वहां लोग एक–दूसरे पर कितना भरोसा करते हैं। यदि भरोसा टूट गया, तो समाज की आत्मा घायल हो जाएगी। इसलिए आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय दायित्व है–रिश्तों के भरोसे को बचाना, मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित करना और प्रेम, विश्वास तथा सौहार्द की उस परंपरा को मजबूत करना, जिसने भारतीय समाज को सदियों से जीवंत बनाए रखा है। आज भारतीय समाज जिस संक्रमणकाल से गुजर रहा है, उसमें रिश्तों का संकट केवल पति–पत्नी अथवा प्रेम–संबंधों तक सीमित नहीं रह गया है। एक ओर पुणे और मेघालय जैसी घटनाएं भरोसे के रिश्तों की हत्या कर रही हैं, ।

मोदी की व्यापार दृष्टि ने भारत को बदलने के लिए विश्व–स्तर पर अवसरों के द्वार खोले

पीयूष गोयल

यूके के साथ ऐतिहासिक व्यापार समझौता, जो 15 जुलाई से लागू होगा, भारतीय किसानों, एमएसएमई, मछुआरों, स्टार्टअप और कारीगरों के लिए वैश्विक अवसर और समृद्धि लाएगा। यह नौकरियां सृजित करेगा और भारतीय नागरिकों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले सामान को उचित कीमतों पर उपलब्ध कराएगा, जिससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 मिशन को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। भारत और यूके के बीच परिवर्तनकारी व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) भारतीय वस्तुओं के लिए यूके में सभी क्षेत्रों में, विशेष रूप से श्रम–प्रधान क्षेत्रों में, व्यापक बाजार पहुंच सुनिश्चित करेगा। दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद यह समझौता लगभग 100त्न व्यापार मूल्य को शामिल करते हुए लगभग 99त्न टैरिफ लाइनों पर तुरंत शुल्क समाप्त करेगा, जिससे भारतीय निर्यात के लिए अपार अवसर सृजित होंगे। सीईटीए एक जन–केंद्रित समझौता है, जिस पर पिछले साल प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर की उपस्थिति में हस्ताक्षर किये गये थे। यह समाज के हर हिस्से को फायदे देता है। किसानों को अपने घरेलू हितों से समझौता किए बिना उच्च मूल्य वाले निर्यात बाजारों तक पहुंच मिलेगी। मछुआरों को विशाल यूके बाजार में अधिक सीफूड निर्यात से फायदा मिलेगा। श्रमिकों को श्रम–गहन क्षेत्रों में नई नौकरियों के अवसर मिलेंगे। महिला उद्यमी, युवा, स्टार्टअप्स और एमएसएमई को वैश्विक मूल्य–श्रृंखला तक बेहतर पहुँच मिलेगी। पेशेवरों को बेहतर आवागमन और मान्यता के अवसरों से फायदा मिलेगा। किसानों के लिए समृद्धि सीईटीए भारतीय किसानों के लिए प्रीमियम यूके बाजार खोलता है, जो दूसरे यूरोपीय देशों को मिलने वाले फायदों के बराबर या उनसे भी बेहतर है। हल्दी, काली मिर्च, इलायची और प्रसंस्कृत सामान जैसे आम का गूदा, अचार और दालों को शुल्की–मुक्त पहुँच प्राप्त होगा। उच्च कृषि निर्यात से किसानों की आय बढ़ेगी और गुणवत्ता, पैकेजिंग और प्रमाणन के लिए और प्रोत्साहन मिलेगा। यह कृषि मूल्य श्रृंखला में कई नौकरियाँ भी पैदा करेगा। साथ ही, सीईटीए घरेलू किसानों – खासकर डेयरी उत्पाद, खाद्यान्न, मोटे अनाज, सेब, ओट्स और खाद्य तेल से जुड़े किसानों – की सुरक्षा के लिए भारत के सबसे संवेदनशील कृषि क्षेत्रों को अपने दायरे से बाहर रखता है। इन्हें समझौते से बाहर रखना, मोदी सरकार की खाद्य सुरक्षा, घरेलू मूल्य स्थिरता और कमजोर कृषि समुदायों को प्राथमिकता देने की रणनीति को प्रतिबिंबित करती है। उद्योग को बढ़ावा यूके के विशाल बाजार तक तुरंत शुल्क–मुक्त पहुंच भारतीय निर्माण को बढ़ावा देगी, जिससे पारंपरिक कारीगर, बड़े कारखाने और क्षेत्रीय औद्योगिक केंद्र प्रभावी तरीके से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। छोटे व्यवसायों को फायदा होगा, क्योंकि भारतीय उत्पादों को अपने प्रतिद्वंद्वियों पर प्रतिस्पर्धा से जुड़ी स्पष्ट बढ़त मिलेगी। फुटबॉल, क्रिकेट गियर, रग्बी बॉल और खिलौने बनाने वाली कंपनियां, अन्य उत्पादों के साथ–साथ, यूके में अपने व्यवसाय को काफी विस्तार देने में सक्षम होंगी। शुल्कों को हटाने से खासकर श्रम–सघन क्षेत्रों में लंबे समय से चल रही टैरिफ बाधाओं का समाधान हुआ है, जिससे निर्यात प्रतिस्पर्धा और पैमाने में तुरंत लाभ होने की उम्मीद है। तिरुपुर के कपड़ों से लेकर बेंगलुरु की लैब तक, सूरत के हीरे के कारीगरों से लेकर हैदराबाद के कोडर्स तक, यह समझौता असली अर्थव्यवस्था को छूता है। सेवाएँ और पेशेवर यूके ने सेवा क्षेत्र में अब तक की अपनी सबसे व्यापक प्रतिबद्धताओं में से एक प्रदान किया है, जिसमें भारत की निर्यात रुचि के सभी प्रमुख सेवा क्षेत्रों और 137 उप–क्षेत्रों को शामिल किया गया है। बेहतर बाजार पहुंच और नियामक सुनिश्चितता भारतीय सेवा प्रदाताओं को आईटी और आईटी–सक्षम सेवाओं, वित्तीय सेवाओं, पेशेवर सेवाओं, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, इंजीनियरिंग, दूरसंचार और परामर्श सेवाओं में सहायता करेगी।

भारत ने कुशल पेशेवरों के लिए अनुकूल आवागमन प्रावधान सुनिश्चित किए हैं, जिनमें संविदा सेवा प्रदाता, व्यापार यात्री, निवेशक, योग प्रशिक्षक, संगीतकार और रसोइये शामिल हैं। इस समझौते में व्यापार आगंतुक, कर्मचारियों का अंतर–कॉर्पोरेट तबादला, संविदा सेवा आपूर्तिकर्ता, स्वतंत्र पेशेवर और निवेशकों के लिए भी पूर्वानुमान योग्य आवागमन उपाय प्रदान किए गए हैं। इसके अलावा, इस समझौते के तहत 1,800 भारतीय रसोइये, योग प्रशिक्षक और शास्त्रीय संगीतकार हर साल समर्पित आवागमन अवसरों का लाभ उठा सकेंगे। नवोन्मेषएफटीए पीएम मोदी के नेतृत्व में, एफटीए सिर्फ वस्तुएं और सेवाओं तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि इन्होंने नए मानक स्थापित किये हैं। ईएफटीए देशोंकृस्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीनकृके साथ, भारत ने 100 बिलियन डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता हासिल की, जिससे प्रत्यक्ष रोजगार के एक मिलियन अवसरों के सृजन की उम्मीद है। न्यूजीलैंड के साथ एफटीए में, देश ने 15 साल में 20 बिलियन डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता हासिल की, जबकि ऑस्ट्रेलियाई एफटीए ने उस दोहरी कर–व्यवस्था की समस्या को सुलझा दिया, जिससे भारतीय आईटी कंपनियां समस्याओं का सामना करती थीं। यूके के साथ समझौते का एक महत्वपूर्ण पहलू है, दोहरा योगदान सिद्धांत। यह ऐतिहासिक व्यवस्था, जो सीईटीए के साथ प्रभावी होगी, भारतीय कर्मचारियों और नियोक्ताओं को अस्थायी कार्य–उत्तरदायित्व (असाइनमेंट) के दौरान यूके में दोहरी सामाजिक सुरक्षा योगदान देने से मुक्त करती है। 75,000 से अधिक भारतीय पेशेवरों और 900 से अधिक कंपनियों को अस्थायी विदेशी कार्य–उत्तरदायित्व पर कर्मचारियों के लिए लगातार सामाजिक सुरक्षा कवरेज से फायदा मिलने की उम्मीद है। सरकार की रणनीति 2014 में अर्थव्यवस्था संघर्ष कर रही थी और संभावित निवेशकों का भरोसा टूट रहा था। भारत को उन फ्कमजोर पांचश् अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता था, जो नीतिगत भटकाव और भारी भ्रष्टाचार घोटालों से जूझ रही थीं। मोदी सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास बहाल करने और इसे निवेशकों के लिए आकर्षक बनाने के लिए एक सुदृढ़ दृष्टिकोण अपनाया। विकसित देशों के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर करना अगला कदम था। एफटीए व्यापार नीतियों के संबंध में अनिश्चितता को कम करके निवेशकों का भरोसा भी बढ़ाते हैं। भारत ने ऐसे विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ एफटीए किये, जो बड़े बाजार प्रदान करती हैं और भारत के प्रमुख व्यापार हितों के सीधे प्रतिस्पर्धा नहीं करतीं। इससे दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद स्थिति बनती है, जो पिछली सरकार के उस दृष्टिकोण से अलग है, जिसमें भारतीय व्यवसायों को जोखिम में डालते हुए देश के दरवाजे प्रतिद्वंद्वियों के लिए लापरवाही से खोल दिए गए थे। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत को अब एक मजबूत अर्थव्यवस्था और अस्थिर विश्व में एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में व्यापक रूप से सम्मान दिया जाता है। इसने खुद को एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में स्थापित किया है, जिसका एक आकर्षक बाजार है और यह दुनिया की सबसे तेज बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बनी हुई है।

डॉक्टर्स डे पर यश हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर में 1 जुलाई को भव्य निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस (डाक्टर्स डे)अवसर पर 1 जुलाई 2026 को यश हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर में एक भव्य निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर का उद्देश्य आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना एवं विभिन्न बीमारियों की समय रहते जांच कर जागरूकता बढ़ाना है। यश हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर के निदेशक डॉ. अवनीश कुमार सिंह ने बताया कि शिविर में हड्डियों की मजबूती एवं ऑस्टियोपोरोसिस की जांच के लिए बीएमडी (ठवदम डपदमतंस क्मदेपजल) टेस्ट पूरी तरह निःशुल्क किया जाएगा। इसके साथ ही ब्लड प्रेशर (बीपी) एवं ब्लड शुगर की जांच भी बिना किसी शुल्क के की जाएगी। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान आने वाले सभी मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क ओपीडी परामर्श भी प्रदान किया जाएगा। जिन लोगों को हड्डियों में दर्द, कमजोरी, जोड़ों की समस्या या ऑस्टियोपोरोसिस की आशंका है, उनके लिए यह शिविर विशेष रूप से लाभदायक रहेगा। डॉ. अवनीश कुमार सिंह ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि अधिक से अधिक लोग इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य जांच एवं विशेषज्ञ परामर्श का लाभ उठाएं। निःशुल्क रजिस्ट्रेशन हेतु– 7393080034 पर कॉल करें या व्हाट्सएप संदेश भेजकर अपना पंजीकरण कराएं।

चार वर्षीय मासूम का शव मिलने से सनसनी, हत्या की आशंकाय पुलिस ने गठित की टीमें

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में जफराबाद थाना क्षेत्र के धनेजा गांव में सोमवार को चार वर्षीय मासूम बच्ची का शव झाड़ियों में मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। परिजनों ने बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या किए जाने की आशंका जताई है। हालांकि पुलिस ने कहा है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी। बच्ची अपनी मां के साथ एक रिश्तेदार के यहां निमंत्रण में गई थी। इसी दौरान वह अचानक लापता हो गई। परिजनों और ग्रामीणों ने काफी देर तक उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। बाद में गांव के समीप झाड़ियों में उसका खून से लथपथ शव मिलने से परिवार में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलते ही जफराबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और संदिग्ध लोगों से पूछताछ की जा रही है। इस मामले पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि डायल–112 पर सूचना मिली थी कि चार वर्षीय बालिका लापता है। पुलिस और परिजनों द्वारा खोजबीन के दौरान बच्ची मृत अवस्था में मिली। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत होता है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है तथा घटना के शीघ्र खुलासे के लिए पुलिस की टीमें गठित कर दी गई हैं। मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है तथा ग्रामीण दोषियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा का हुआ भव्य स्नान, हजारों श्रद्धालु बने साक्षी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा के पावन अवसर पर सोमवार को नगर में भगवान श्री जगन्नाथ, श्री बलभद्र एवं माता सुभद्रा का पारंपरिक स्नान महोत्सव श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया। रथ यात्रा महोत्सव समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान का पवित्र स्नान कराया और पूजा–अर्चना की। प्रातः 7 बजे हनुमान घाट से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ जल कलश यात्रा का शुभारंभ हुआ। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु नंगे पांव शामिल हुए। जल कलश यात्रा चहारसू चौराहा, शाही किला और मानिक चौक होते हुए श्री जगन्नाथ धाम रासमंडल पहुंची, जहां आचार्य डॉ. रजनीकांत द्विवेदी के निर्देशन में वैदिक मंत्रों के बीच भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा का विधि–विधान से स्नान कराया गया। स्नान के उपरांत मंदिर के मुख्य अर्चक पंडित दिनेश चंद्र ने भगवान का षोडशोपचार पूजन संपन्न कराया। इसके बाद मंदिर समिति के महामंत्री शिव शंकर साहू ने श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया। कार्यक्रम में रथ यात्रा महोत्सव समिति के अध्यक्ष शशांक सिंह, मुख्य ट्रस्टी सीए संजय गुप्ता, अनिल अस्थाना, नीलिमा गुप्ता, संध्या सेठ, राजेश सेठ, संतोष गुप्ता, दयाशंकर निगम, डॉ. राजेश तिवारी, विनय बरौतिया, मनोज गुप्ता, संतोष मिश्रा, दिनेश सेठ, सुशीला सिंह, नीरज श्रीवास्तव, जग्गू सेठ, भरत कपूर, सभासद नंदलाल यादव, सभासद बसंत प्रजापति, अरुण शर्मा, पंडित निशाकांत द्विवेदी, पंडित आशुतोष मिश्रा, रवि शर्मा, रविकांत श्रीमाली, गणेश साहू, भृगुनाथ पाठक, दिलीप सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में महामंत्री शिव शंकर साहू, रथ यात्रा महोत्सव समिति के अध्यक्ष शशांक सिंह तथा मुख्य ट्रस्टी संजय गुप्ता एवं राजेश गुप्ता ने सभी श्रद्धालुओं और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मेडिकल कालेज जौनपुर में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के प्ररिप्रेक्ष्य में मनाया गया जनजागरूकता कार्यक्रम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर यूपी के जौनपुर स्थित उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो0 आर0 बी0 कमल के दिशा निर्देश में तम्बाकू निषेध, नोडल अधिकारी डा0 अनिल कुमार एवं कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डा0 अनुज सिंह तथा डा0 मुदित चौहान के द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस के परिप्रेक्ष्य में तम्बाकू नियंत्रण एवं जन–जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रधानाचार्य प्रो0 आर0 बी0 कमल के उद्बोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य तंबाकू के उपयोग के खतरों के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाना। इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस का 'थीम "आकर्षण का पर्दाफाश – तम्बाकू एवं निकोटीन की लत का मुकाबला"' है। तंबाकू एक धीमा जहर है। चाहे वह सिगरेट, बीड़ी, गुटखा या खैनी के रूप में हो– यह हमारे शरीर को भीतर से खोखलाकर देता है। तंबाकू सेवन से कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारी जैसी गंभीर बीमारियाँ होती हैं। सबसे दुखद बात यह है कि इसका प्रभाव केवल उपभोक्ता पर नहीं बल्कि उसके आस पास रहने वालो पर भी पड़ता है। इस आदत से बाहर आने के लिए वैकल्पिक एवं स्वास्थ्यवर्धक उपाय अपनाने की सलाह दी गई। 'कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डा0 अनुज सिंह' ने बताया कि तंबाकू किसी भी रूप में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है तथा फेफड़ों के कैंसर का एक प्रमुख कारण तंबाकू सेवन है। उन्होंने बताया कि तंबाकू से होने वाली बीमारियां धीरे–धीरे विकसित होती हैं, जिसके कारण अधिकांश मरीज गंभीर अवस्था में चिकित्सालय पहुंचते हैं तथा कई मामलों में बीमारी तृतीय अथवा चतुर्थ चरण तक पहुंच चुकी होती है। जिसका इलाज दुर्लभ हो जाता है। वर्तमान समय में बढ़ता प्रदूषण भी श्वसन संबंधी रोगों एवं कैंसर के जोखिम को बढ़ाने वाले महत्वपूर्ण कारकों में शामिल है। 'तम्बाकू निषेध, नोडल अधिकारी डा0 अनिल कुमार' द्वारा बताया गया कि तंबाकू का संवन केवल फेफड़ों या हृदय को ही नहीं, बल्कि शरीर के बाहरी अंगों पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि "हथेलियों या उंगलियों की त्वचा का काला पड़ना, रूखापन या झुर्रियाँ कहा जाता है, एक सामान्य लक्षण है जो लम्बे समय तक तंबाकू के सेवन से विकसित होता है। यह त्वचा की रक्त संचार प्रणाली पर असर डालता है और आंगों की कार्यक्षमता को भी प्रभावित कर सकता है। 'कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के सहायक आचार्य डा मुदित चौहान' ने बताया कि तंबाकू सेवन ओरल कैंसर सहित अनेक गंभीर बीमारियों का प्रमुख कारण है। लंबे समय तक तंबाकू सेवन करने से मुंह में लगातार छाले होना, मुंह का कम खुलना, सफेद या लाल धब्बे दिखाई देना, निगलने में कठिनाई तथा मुंह के अंदर गांठ या घाव जैसे लक्षण विकसित हो सकते हैं, जो मुख कैंसर के प्रारंभिक संकेत हो सकते हैं। तंबाकू सेवन से दूरी बनाकर ओरल कैंसर सहित अनेक गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव किया जा सकता है। इस अवसर पर डॉ0 पूजा पाठक, डा0 नवीन सिंह, डॉ0 आदर्श कुमार, डा0 आशुतोष सिंह, डा0 दीपिका साव, डा0 उस्मान, डा0 रेफत तथा अन्य चिकित्सक व एम0बी0बी0एस0 प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के छात्र–छात्राए व अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं डीजे विवाद में घायल विवाहिता की इलाज के दौरान मौत,पुलिस जांच में जुटी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के सिंगरामऊ कस्बे में शादी की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब डीजे बंद कराने को लेकर हुए विवाद में घायल हुई विवाहिता की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा है। मृतका की छोटी बहन की शादी 1 जुलाई को होनी थी। सिंगरामऊ निवासी मुन्नीलाल खरवार की पुत्री गुंजन (33) की शादी वर्ष 2011 में बदलापुर थाना क्षेत्र के घनश्यामपुर निवासी कमलेश प्रजापति से हुई थी। वह अपने दो बच्चों के साथ सूरत से मायके आई थीं, जहां छोटी बहन की शादी की तैयारियां चल रही थीं। घर में मांगलिक आयोजन के कारण डीजे लगा हुआ था सोमवार देर रात डीजे बंद कराने को लेकर पड़ोसियों के साथ विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद के दौरान छत से फेंकी गई ईंट गुंजन के सिर में लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजन उन्हें तत्काल सिंगरामऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद वाराणसी रेफर कर दिया गया। वहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी सुनील चंद्र तिवारी, तहसीलदार बदलापुर और सिंगरामऊ थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस संबंध में सोमवार को जानकारी लेने पर क्षेत्राधिकारी सुनील चंद्र तिवारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। तहरीर और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिय भेजा गया है।घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। मृतका के परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

कड़ी निगरानी में संपन्न हुई पीयूकैट–2026 की प्रवेश परीक्षा, पहले दिन बीटेक, डी. फार्मा, बीसीए समेत कई पाठ्यक्रमों के अभ्यर्थी हुए शामिल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सोमवार को पीयूकैट–2026 के तहत विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा कड़ी निगरानी और पारदर्शी व्यवस्था के बीच तीन पालियों में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को निष्पक्ष एवं सुचितापूर्ण परीक्षा कराने के निर्देश दिए। परीक्षा समन्वयक प्रो. मिथिलेश सिंह ने बताया कि प्रथम पाली में डी. फार्मा एवं बीटेक की सभी शाखाओं की परीक्षा आयोजित हुई। डी. फार्मा में पंजीकृत 224 अभ्यर्थियों में 172 उपस्थित रहे, जबकि 52 अनुपस्थित रहे। वहीं बीटेक की विभिन्न शाखाओं में पंजीकृत 375 अभ्यर्थियों में 293 ने परीक्षा दी और 82 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली में बीसीए की प्रवेश परीक्षा हुई, जिसमें 481 पंजीकृत अभ्यर्थियों में 406 ने परीक्षा दी, जबकि 75 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। तृतीय पाली में बीए एलएलबी एवं बीबीए की परीक्षा आयोजित की गई।

बीए एलएलबी में 387 अभ्यर्थियों में से 307 उपस्थित हुए तथा 80 अनुपस्थित रहे। वहीं बीबीए में 180 पंजीकृत अभ्यर्थियों में 158 ने परीक्षा दी और 22 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, निगरानी और पारदर्शिता के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पूरे दिन परीक्षा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुई।

व्यापार मंडल ने दानवीर भामाशाह की मनाई जयंती वरिष्ठ व्यापारियों का हुआ सम्मान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी यूपी के जौनपुर में नगर उद्योग व्यापार मंडल के तत्वाधान में तीन वरिष्ठ व्यापारियों का सम्मान करते हुए भामाशाह की जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने सभी पदाधिकारी और व्यापारी बंधुओ का स्वागत किया और दानवीर भामाशाह जी के जीवन पर प्रकाश डाला, कार्यक्रम में उपस्थित जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन ने बताया कि देश के लिए अपना सभी कुछ न्योछावर करने वाले दानवीर भामाशाह जी इतिहास के पन्नों में दर्ज है आज के व्यापारियों को उनके देश प्रेम से सीखने की जरूरत है उपस्थित प्रदेश उपाध्यक्ष सोमेश्वर केसरवानी एवं प्रदेश मंत्री महेंद्र सोनकर ने सभी व्यापारियों को दानवीर भामाशाह की जयंती की बधाई दिया और प्रदेश सरकार का धन्यवाद दिया की पूरे प्रदेश में भामाशाह जयंती मनाने का आदेश पारित किया गया है, कार्यक्रम में तीन वरिष्ठ व्यापारियों को माल्यार्पण करते हुए अंगवस्त्र, मोती माला पहनाते हुए स्मृतिचिन्ह भेटकर वरिष्ठ व्यापारी छब्बू लाल सोनकर, उमापति केडिया और विमल भोजवाल को सम्मानित किया गया कार्यक्रम में युवा प्रदेश कोषाध्यक्ष संतोष अग्रहरि आशीष गुप्ता, राजदेव यादव, अशोक बैंकर, नरेंद्र जायसवाल, रामकुमार साहू, मुन्नालाल अग्रहरि, अनिल कुमार वर्मा, रवि श्रीवास्तव, अरशद कुरैशी, संजीव यादव, संतोष साहू, राजकुमार सेठ, अमर जौहरी, संजय केडिया,मधुसूदन बैंकर,विजय अग्रहरि, शाहिद मंसूरी, यशवंत साहू ,शुभम गुप्ता आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन संतोष साहू ने किया आभार नगर कोषाध्यक्ष अनिल वर्मा ने व्यक्त किया।

उत्तर प्रदेश में आंगनबाड़ी केंद्रों की होगी प्राथमिक विद्यालयों से मैपिंग

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल कर रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों का प्राथमिक विद्यालयों के साथ को–लोकेशन और वैज्ञानिक मैपिंग अभियान मिशन मोड में शुरू कर दिया गया है। इसका उद्देश्य बच्चों को विद्यालयी शिक्षा के लिए बेहतर ढंग से तैयार करना तथा शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं का एकीकृत लाभ उपलब्ध कराना है।बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में बुनियादी शिक्षा को मजबूत आधार देने के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों और प्राथमिक विद्यालयों के बीच समन्वय आवश्यक है। उन्होंने कहा कि को–लोकेशन और मैपिंग से बच्चों का आंगनबाड़ी से कक्षा–1 में प्रवेश सहज, व्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण होगा।उन्होंने बताया कि इस पहल से शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं का प्रभावी एकीकरण सुनिश्चित होगा, जिससे बच्चों के सीखने की क्षमता और बुनियादी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आएगा। यह अभियान बालवाटिका, निपुण भारत मिशन तथा प्रारंभिक शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक बच्चा आंगनबाड़ी से विद्यालय में बिना किसी कठिनाई के प्रवेश कर सके और विद्यालय पूर्व तैयारी (स्कूल रेडीनेस) मजबूत हो।यह अभियान भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के संयुक्त दिशा–निर्देशों के तहत संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य विद्यालय पूर्व शिक्षा को प्रभावी बनाना, शिक्षा एवं पोषण सेवाओं का समन्वय स्थापित करना तथा बच्चों के विद्यालय में सहज संक्रमण को सुनिश्चित करना है।इस संबंध में महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी तथा बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की निदेशक हर्षिता माथुर ने संयुक्त दिशा–निर्देश जारी किए हैं। अभियान के प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन के लिए सभी जिलों में मैपिंग, यू–डायस अपडेट तथा पोर्टल पर डेटा अपलोड की प्रक्रिया का संयुक्त सत्यापन जिला कार्यक्रम अधिकारी और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा कराया जाएगा।सरकार ने 30 जून 2026 तक प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों और कक्षा–1 संचालित परिषदीय विद्यालयों की मैपिंग मिशन मोड में पूरी करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

संक्षिप्त खबरें

उत्तर प्रदेश में 2.80 लाख से अधिक व्यवसायिक वाहनों के फिटनेस प्रमाण–पत्र जारी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि प्रदेश में संचालित 35 स्वचालित परीक्षण स्टेशनों (एटीएस) के माध्यम से 19 जून 2026 तक 2,80,779 व्यवसायिक वाहनों के फिटनेस प्रमाण–पत्र जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक आधारित यह व्यवस्था वाहन फिटनेस जांच प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और समयबद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।दयाशंकर सिंह ने बताया कि स्वचालित परीक्षण स्टेशन (एटीएस) का मुख्य उद्देश्य वाहन फिटनेस जांच में मानवीय हस्तक्षेप को न्यूनतम करना है। मशीनों और सेंसर आधारित परीक्षण प्रणाली के माध्यम से वाहनों की तकनीकी जांच पूरी पारदर्शिता के साथ की जा रही है, जिससे वाहन मालिकों को तेज, सटीक और विश्वसनीय फिटनेस प्रमाण–पत्र उपलब्ध हो रहे हैं।उन्होंने कहा कि एटीएस व्यवस्था सड़क सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल है। तकनीकी रूप से फिट पाए जाने वाले वाहनों को ही सड़क पर संचालन की अनुमति दिए जाने से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आने के साथ–साथ प्रदूषण नियंत्रण में भी मदद मिल रही है।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

लखनऊ, (संवाददाता)। मादक पदार्थों के दुरुपयोग एवं अवैध व्यापार विरोधी अंतरराष्ट्रीय दिवस के अवसर पर शुक्रवार को मद्य निषेधा विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा चौधरी चरण सिंह सभागार, सहकारिता भवन, लखनऊ में श्नशा मुक्त भारत अभियानश के तहत जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मद्य निषेध प्रदर्शनी, संगोष्ठी, शपथ ग्रहण एवं विभिन्न जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि प्रमुख सचिव समाज कल्याण अनुराग यादव रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मद्य निषेध प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन करने के बाद दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को नशे से दूर रहने तथा समाज में नशामुक्ति का संदेश फैलाने की शपथ भी दिलाई गई।अपने संबोधन में नितिन अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा 15 अगस्त 2020 को शुरू किया गया श्नशा मुक्त भारत अभियानश युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में युवाओं की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इसलिए आवश्यक है कि उनकी ऊर्जा नशे की लत में नष्ट होने के बजाय राष्ट्र निर्माण में लगे।उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है और युवाओं को नशे से बचाना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न एजेंसियां इस दिशा में लगातार कार्य कर रही हैं, लेकिन स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और नागरिक समाज की सक्रिय भागीदारी के बिना इस अभियान को व्यापक सफलता नहीं मिल सकती।नितिन अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी लगातार प्रदेशवासियों से नशे से दूर रहने की अपील करते रहे हैं।

माता पिता अंजान, नहीं रहे जिगर के टुकड़े

लखनऊ, (संवाददाता)। इटौंजा के महोना वार्ड नंबर नौ में हुए दर्दनाक हादसे में अरमान और अली की मौत की जानकारी स्थानीय लोगों ने उनके माता–पिता को नहीं दी। स्थानीय लोग हर व्यक्ति को सांत्वना देते रहे। भीड़ में हर कोई अपने की तलाश कर रहा था। चारों तरफ चीखपुकार मची थी। अरमान के माता–पिता अपने बच्चों को तलाश में इधर–उधर भटकते रहे। इसी बीच अरमान के पिता कल्लू और अली के पिता कासिम को पुलिस ने बताया कि आपके दोनों बच्चे अस्पताल भेजे गए हैं। इसके बाद वहां कोहराम मच गया। हालांकि, पुलिस ने उन्हें दोनों की मौत की जानकारी नहीं दी। उन्हें सिर्फ यह बताया गया कि दोनों को मामूली चोट लगी है। इसके बावजूद कल्लू और कासिम बिलखते हुए अपने जिगर के टुकड़ों को मलबे में तलाशते रहे। यह देख अन्य लोगों ने उन्हें संभाला। इसके बाद कल्लू और कासिम चीखते हुए अस्पताल जाने की जिद करने लगे। ऐसे में उन्हें पुलिस ने किसी तरह से रोका। वहीं अस्पताल में भी घायलों के परिजन रोते बिलखते रहे। देर रात में सैकड़ों की संख्या में अस्पताल के बाहर लोगों की भीड़ जमा हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल बुलानी पड़ी। घटना ऐसी की सहम उठे लोग रू घटना इतनी भीषण थी कि वहां मौजूद लोगों में दहशत छा गई।

नाटक में दिखी समाज की उदासीनता

लखनऊ, (संवाददाता)। गोमतीनगर स्थित अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोधा संस्थान में नाटक द लेसन का मंचन किया गया। इसमें समाज की उदासीनता देखने को मिली। श्रद्धा मानव सेवा कल्याण समिति की ओर से आयोजित इस नाटक की कहानी एक प्रोफेसर, छात्रा और नौकरानी के इर्द–गिर्द घूमती है। छात्रा पढ़ाई के लिए प्रोफेसर के पास जाती है। करीब एक महीना बीत जाने के बाद प्रोफेसर उसकी हत्या कर देता है क्योंकि वह कुछ सवालों के सही जवाब नहीं दे पाती है। इसी तरह कई हत्याएं प्रोफेसर कर चुका होता है। उसे इसका पछतावा भी नहीं होता है। इस सब को नौकरानी देख रही होती है, लेकिन वह भी रोकने के लिए कोई बड़ा कदम नहीं उठाती है। निर्देशन तुषार बाजपेयी ने किया। मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. अनिल रस्तोगी रहे।

लोकबंधु अस्पताल परिसर स्थित वन स्टॉप सेंटर में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के कृष्णानगर थाना क्षेत्र स्थित लोकबंधु राजनारायण संयुक्त चिकित्सालय परिसर में बने वन स्टॉप सेंटर में शुक्रवार सुबह आग लगने से कुछ देर के लिए अफरा–तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।पुलिस के अनुसार शुक्रवार सुबह करीब 5:30 बजे वन स्टॉप सेंटर में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही कृष्णानगर थाना पुलिस तथा अग्निशमन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और संयुक्त प्रयास से आग को फैलने से रोकते हुए शीघ्र ही बुझा दिया।प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट प्रतीत हो रहा है।

ट्रस्ट व सरकार ट्रस्ट कर रही महासचिव चंपत राय सहित अन्य आरोपियों की बचाव – पवन पाण्डेय

अयोध्या। राम मंदिर चंदा घोटाला कोई छोटी–मोटी घटना नहीं है बल्कि करोड़ो राम भक्तों के आस्था से खिलवाड़ है।ट्रस्ट व सरकार इसमें शामिल सभी दोषियों को सजा न देकर बल्कि घटना को दबाने की कोशिश कर रही है। जबकि घोटाले मे मुख्य आरोपी ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के अलावा गोपाल राव तथा डॉक्टर अनिल मिश्रा है, लेकिन अभी तक इन पर जांच की आंच नहीं आई है।यह आरोप लगाते हुए सोमवार को शहर के सिविल लाइन स्थित एक होटल में सपा पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन ने कहा कि जब 5 जून को अविनाश शुक्ला से पैसे बरामद हुए थे तब ट्रस्ट सक्रियता दिखाते हुए इस घटना की मुकदमा क्यों नहीं दर्ज कराई।जेल में बंद आठों आरोपी सिर्फ दिखावा मात्र के ही हैं।जबकि मुख्य आरोपी जो इस घटना में शामिल हैं खासकर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, गोपाल राव तथा डॉक्टर अनिल मिश्रा के ऊपर अभी तक कार्यवाही तो छोड़िए सीट की टीम ने इसे पूछताछ तक नहीं किया।उन्होंने कहा कि ट्रस्ट इन तीनों आरोपियों को साफ–साफ बचना चाहती है जिसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आखिर ट्रस्ट की मीटिंग 11 जुलाई को ही क्यों अगर मीटिंग करनी ही है।तो यह कोई छोटी घटना नहीं है बड़ी घटना है और इसका पटाक्षेप शीघ्र से शीघ्र हो।इसमें शामिल सभी आरोपी पर कार्यवाई हो।इसके लिए ट्रस्ट को शीघ्र मीटिंग करनी चाहिए लेकिन ट्रस्ट ऐसा नहीं कर रहा है जिससे यह साबित हो रहा है ट्रस्ट इन तीनों को बचाना चाहती है। क्योंकि जितना लंबा यह मामला खींचेगा उसे बीच आरोपियों को सबूत मिटाने में सरलता होगी।उन्होंने कहा कि एसआईटी जांच का गठन सिर्फ जनता को गुमराह करना है। उन्होंने यह भी प्रश्न उठाया कि सिर्फ आठों आरोपियों के जेल जाने के बाद ही पुलिस मीडिया को बुलाकर इन आठों आरोपियों के घर जांच के नाम पर ड्रामा कर रही है।अगर जांच करनी थी तो उससे पहले क्यों नहीं हुई और जांच में क्या निकला यह भी पुलिस नहीं बताई। उन्होंने चंपत राय तथा डॉक्टर अनिल मिश्रा के इस्तीफा पर सवाल उठाते हुए कहा कि कि अभी तक उनका इस्तीफा मंजूर नहीं हुआ 11 जुलाई की बैठक के बाद ही ट्रस्ट निर्णय लेगा कि इस्तीफा मंजूर हो कि नहीं। उन्होंने कहा कि इन दोनों पदाधिकारी ने इस्तीफा किस बात को लेकर दिया।इसे सार्वजनिक रूप से जनता के सामने ट्रस्ट के को पेश करना चाहिए।लेकिन ट्रस्ट ऐसा नहीं कर रही है।कहा कि सरकार और ट्रस्ट मिलकर पूरे मामले को दबाने की कोशिश कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि एसआईटी जांच जनता को गुमराह कर रही है।उनका कहना है कि इस जांच से किसी ठोस नतीजे की उम्मीद नहीं है।उन्होंने पत्रकार वार्ता में कहा कि उन्हें एसआईटी व सरकार पर भरोसा नहीं है।यह करोड़ो देशवासियों की आस्था का सवाल है,इसलिए इस मामले को सर्वोच्च न्यायालय खुद संज्ञान मे इसकी निष्पक्ष जांच करे।यही उनकी मांग है।

जांबिया में शैक्षिक भ्रमण पर गए भारतीय डेलिगेशन में अयोध्या के एसआरजी डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी भी शामिल

अयोध्या।प्रथम फाउंडेशन और प्रथम इंटरनेशनल के तत्वाधान में पूर्व निदेशक बेसिक शिक्षा परिषद एवं पूर्व निदेशक एससीईआरटी उत्तर प्रदेश लखनऊ तथा वर्तमान में प्रथम फाउंडेशन के एडवाइजर डॉक्टर सर्वेंद्र विक्रम बहादुर सिंह के नेतृत्व में 8 सदस्य भारतीय डेलिगेशन जांबिया में 21 जून से 27 जून तक के शैक्षिक भ्रमण पर गया।जिसमें उत्तर प्रदेश प्रथम फाउंडेशन की स्टेट हेड नुजहत मलिक,पूर्व निदेशक एससीईआरटी कर्नाटक बेलाशेट्टी, कर्नाटक के मंजूनाथ प्रथम फाउंडेशन के कोऑर्डिनेटर,आंध्र प्रदेश के कोऑर्डिनेटर रामबाबू ,प्रथम इंटरनेशनल के कोऑर्डिनेटर विकास वर्मा प्रथम इंटरनेशनल के कोऑर्डिनेटर इंद्रेश तसलानिया, गुजरात से तथा जनपद अयोध्या के एसआरजी डॉक्टर अंबिकेश त्रिपाठी सम्मिलित रहे।जांबिया में पहुंचे भारतीय डेलिगेशन ने सबसे पहले जांबिया के शिक्षा मंत्रालय के परमानेंट सेक्रेटरी डॉक्टर केल्विन मॉबवे से मुलाकात की। परमानेंट सेक्रेटरी डॉ केल्विन मॉबवे, वी वी ओ बी फाउंडेशन और टी ए आर एल अफ्रीका के साथ प्रथम फाउंडेशन के मध्य संपन्न हुई बैठक में जांबिया के विभिन्न प्रोविंस में चलाए जा रहे कैच अप प्रोग्राम तथा टी ए आर एल अफ्रीका कार्यक्रम के बारे में गहनता से चर्चा की गई । परमानेंट सेक्रेटरी डॉक्टर केल्विन मॉबवे ने भारतीय डेलिगेशन का स्वागत किया और उन्होंने भारतीय डेलिगेशन को प्राथमिक विद्यालयों में चलाए जा रहे कैच अप प्रोग्राम की जानकारी प्रदान की।भारतीय डेलिगेशन ने जांबिया के चार प्राथमिक विद्यालयों का पर्यवेक्षण किया जिसमें डेलिगेशन ने पाया कि सभी विद्यालयों में केचप प्रोग्राम सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है जिससे बच्चे कक्षा 3, कक्षा 4 और कक्षा 5 के बच्चे बुनियादी भाषा और अंक गणित में अपेक्षित दक्षता प्राप्त कर सकें । जिसके लिए शिक्षक द्वारा पूर्व से ही पाठ योजना का निर्माण और पाठ योजना के अनुसार ही टीएलएम का उपयोग करते हुए गतिविधि आधारित शिक्षण कार्य विद्यालयों में कराए जाने का पर्यवेक्षण किया गया।पर्यवेक्षण के दौरान भारतीय डेलिगेशन ने बहुत ही सूक्ष्म अवलोकन करते हुए कैच अप प्रोग्राम को बारीकी से देखा और अध्यापकों की सराहना की।भारतीय डेलिगेशन ने जांबिया में प्राथमिक विद्यालय में संचालित हो रहे कैच अप प्रोग्राम में कुछ बिंदुओं पर अपने सुझाव भी दिए जैसे की गतिविधि छोटे समूह में करने के उपरांत यह भी सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक बच्चे के द्वारा सीखने की दक्षता प्राप्त कर ली गई है।परमानेंट सेक्रेटरी डॉ केल्विन मॉबवे, शिक्षा मंत्रालय जांबिया द्वारा सभी के प्रति आभार प्रकट किया गया । 7 दिनों के प्रवास के दौरान भारतीय डेलिगेशन ने लुसाका प्रोविंस और लिविंगस्टोन प्रोविंस के विद्यालयों का पर्यवेक्षण किया।

'प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण पूर्ण हो:–जिलाधिकारी'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव' 'हरदोई' सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना। जन सुनवाई मे आज कुल 80 शिकायतें प्राप्त हुई,

जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का।

राम मंदिर दान गबन मामले में आठों आरोपियों की न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।राम मंदिर दान गबन मामले में सोमवार को सभी आठों आरोपियों की एंटी करप्शन कोर्ट में वर्चुअल माध्यम से पेशी हुई।सुनवाई के बाद अदालत ने सभी आरोपियों की न्यायिक हिरासत (जुडिशल कस्टडी) 14 दिनों के लिए बढ़ा दी है।अदालत के आदेश के बाद सभी आरोपी फिलहाल जेल में ही रहेंगे।इस दौरान पुलिस ने किसी भी आरोपी की कस्टडी रिमांड की मांग अदालत से नहीं की। ऐसे में आरोपियों से पुलिस हिरासत में पूछताछ नहीं होगी और वे न्यायिक अभिरक्षा में ही रहेंगे।राम मंदिर दान गबन मामले को लेकर जांच एजेंसियां लगातार साक्ष्य जुटाने में लगी हैं। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई अदालत के निर्देशों और जांच की प्रगति के आधार पर होगी।यह मामला प्रदेश ही नहीं,पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है।

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से मजदूर की दर्दनाक मौत

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।खंडासा थाना क्षेत्र के ओरवा गांव में रविवार को हाई टेंशन तार की चपेट में आने से एक मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई।घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। ग्रामीणों ने लटक रहे ढ़ीले तारों को लेकर आक्रोश व्यक्त किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।थाना क्षेत्र की ही डूडी गांव निवासी अशोक कुमार (35) पुत्र रामखेलावन मजदूरी के लिए ओरवा गांव में गए थे। कामकाज के दौरान मकान के बगल लटक रहे हाई टेंशन तार की चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई। मृतक अशोक कुमार मेहनत मजदूरी से परिवार का पालन पोषण करते थे। उनके एक बेटा और एक बेटी है। प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र कुमार सोनकर ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

'विभिन्न स्वयसेवी संस्याओं ने श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' जिला गंगा समिति शाहजहांपुर के तत्वावधान में जनसहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डीपीओ डॉ विनय कुमार सक्सेना के निर्देशन एवं वर्क चौरिटेबल ट्रस्ट के नेतृत्वकर्ता रेहान कुरैशी की अगुवाई में गर्रा नदी स्थित राजघाट पर वृहद स्वच्छता एवं श्रमदान अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान स्वयंसेवकों ने भीषण गर्मी के बावजूद उत्साहपूर्वक श्रमदान करते हुए घाट परिसर को स्वच्छ बनाया तथा स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के नारों से पूरे क्षेत्र को गुंजायमान कर दिया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी एवं परिवार न्यायालय परामर्शदाता मुकेश सिंह परिहार ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि नदियों का संरक्षण प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से पर्यावरण के प्रति जागरूक होकर स्वच्छता को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। स्वामी शुक्रदेवानंद विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ रूपक श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान भौतिकवादी युग में प्रकृति एवं पर्यावरण की सेवा ही सच्ची ईश्वर भक्ति का स्वरूप है। उन्होंने अपने विचारों एवं व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाने पर बल दिया। समाजसेवी राजू बग्गा ने कहा कि स्वस्थ समाज की नींव स्वच्छता पर आधारित है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने का संकल्प लेना चाहिए। डी.एन.टी. श्रम संविदा सहकारी समिति लिमिटेड, सदर शाहजहांपुर की डायरेक्टर एवं स्वदेशी जागरण मंच की प्रांत सह महिला प्रमुख सावित्री शर्मा ने कहा कि स्वच्छता केवल माननीय प्रधानमंत्री का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य और संकल्प होना चाहिए।

विकास खंडेलवाल, हिमांशु सक्सेना, नितिन अग्रवाल एवं शिवम ने नगर निगम शाहजहांपुर सहित सभी सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए अधिक से अधिक लोगों से ऐसे जनहितकारी अभियानों से जुड़ने की अपील की। अभियान में राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक मेरा युवा भारत के हर्ष पाण्डेय एवं उनकी टीम, अंशिका ग्रामोद्योग सेवा संस्थान, युवा सर्व कल्याण सेवा समिति, गंगा समग्र, स्वदेशी जागरण मंच तथा वर्क चौरिटेबल ट्रस्ट के स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए श्रमदान किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर मोहम्मद फौज, मोहम्मद उमैर, नवेद अहमद, तस्मीया, अंगशुमान, रोहित, नवीन, श्रेयांश मंगल पाण्डेय, अंकित वर्मा सहित अनेक स्वयंसेवकों का विशेष सहयोग रहा।

अयोध्या में कैंसर मरीजों के लिए विशेष ओपीडी शुरू, मणिपाल हॉस्पिटल दिल्ली के विशेषज्ञ देंगे परामर्श

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।अयोध्या में कैंसर मरीजों को उनके घर के नजदीक विशेषज्ञ चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल, दिल्ली ने अयोध्या में विशेष कैंसर ओपीडी की शुरुआत की है। यह ओपीडी रविवार को दिव्य हॉस्पिटल, परिक्रमा मार्ग, सिविल लाइंस, फैजाबाद में आयोजित की गई, जहां सुबह 10:30 बजे से दोपहर 1 बजे तक मरीजों की जांच कर विशेषज्ञ परामर्श दिया गया।इस विशेष ओपीडी में मणिपाल हॉस्पिटल्स के चेयरमैन, मणिपाल कॉम्प्रिहेंसिव कैंसर सेंटर एवं ऑन्को रोबोटिक सर्जरी के प्रमुख डॉ. सुरेंद्र कुमार डबास तथा एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल, द्वारका के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. हिमांशु शुक्ला ने मरीजों का परीक्षण कर उपचार संबंधी सलाह दी।विशेषज्ञों ने बताया कि उत्तर प्रदेश में देश के सबसे अधिक कैंसर मरीज सामने आते हैं। राज्य में कैंसर के अनुमानित मामलों की हिस्सेदारी 14.4 प्रतिशत से अधिक है, जिसमें मुँह, सिर और गले के कैंसर के मरीजों की संख्या काफी अधिक है। जागरूकता की कमी और समय पर जांच न होने के कारण अधिकांश मरीज गंभीर अवस्था में अस्पताल पहुंचते हैं, जिससे उपचार कठिन हो जाता है।डॉ. सुरेंद्र कुमार डबास ने कहा कि यदि कैंसर का समय रहते पता चल जाए तो उपचार के परिणाम काफी बेहतर होते हैं। उन्होंने बताया कि आधुनिक रोबोटिक सर्जरी और मिनिमली इनवेसिव तकनीकों की मदद से जटिल कैंसर का भी अधिक सटीक और प्रभावी उपचार संभव है, जिससे मरीजों की रिकवरी तेज होती है।वहीं, डॉ. हिमांशु शुक्ला ने कहा कि ओरल कैंसर भारत में सबसे आम कैंसरों में से एक है। तंबाकू, धूम्रपान और मदिरापान इसकी प्रमुख वजह हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि मुँह में लंबे समय तक छाले बने रहें, गांठ महसूस हो, निगलने में परेशानी हो या घाव ठीक न हो रहे हों तो तुरंत विशेषज्ञ से जांच कराएं। दिव्य हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. वी. पी. सिंह ने कहा कि अयोध्या और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को विशेषज्ञ ऑन्कोलॉजी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए यह पहल महत्वपूर्ण है। इससे मरीजों को शुरुआती जांच और विशेषज्ञ राय के लिए बड़े शहरों की यात्रा नहीं करनी पड़ेगी।अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि एचसीएमसीटी मणिपाल हॉस्पिटल अत्याधुनिक तकनीक, रोबोटिक असिस्टेड सर्जरी और मरीज–केंद्रित उपचार के माध्यम से अयोध्या सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को उन्नत कैंसर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

जनता की समस्याओं का जल्द समाधान कराएं

गोरखपुर, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की हर समस्या का शीघ्र समाधान कराएं। लोगों की शिकायतों को संवेदनशीलता से लेकर संतुष्टिप्रद निस्तारण सुनिश्चित कराने में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जनता दर्शन में पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा कि चिंता मत करिए। सरकार सबकी समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी। जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगीं कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक पहुंचकर मुख्यमंत्री ने सबकी समस्याएं सुनीं और उनके प्रार्थना पत्रों को पास में खड़े अधिकारियों को हस्तगत कर समस्या समाधान के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, सबकी समस्या का समाधान कराया जाएगा। जनता दर्शन में हर बार की तरह कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। हृदय रोग से पीड़ित एक महिला से उन्होंने कहा कि इलाज के लिए उन्हें मुख्यमंत्री राहत कोष से पर्याप्त आर्थिक सहायता दी जाएगी। सीएम योगी ने जमीन कब्जा से जुड़ी शिकायतों पर अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे मामलों में त्वरित और कड़े कदम उठाए जाएं। जबरन जमीन कब्जा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला पुलिस कर्मियों ने महिलाओ को किया जागरुक

अयोध्या।सोमवार को मिशन शक्ति अभियान फेज–5 के तहत महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला के नेतृत्व मे महिला उप निरीक्षक सोनी व अन्य पुलिस कर्मियों ने जिला महिला चिकित्सालय,जिला पुरुष चिकित्सालय, अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन सहित अन्य प्रमुख चौराहों तथा मार्गों पर मिशन शक्ति अभियान फेज – 5 के तहत महिलाओ व अन्य लोगो को जागरुक किया है।इस मौके पर उन्होंने महिलाओ व बेटियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक व सुरक्षात्मक उपाय भी बताई।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षात्मक टिप्स की भी जानकारी दिया।उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।बताया कि यह सभी नंबर आप लोग हमेशा याद रखें। जब भी आपको किसी भी प्रकार की सहायता लेने की जरूरत हो तो आप इस नंबर पर फोन कर सकते हैं।इस मौके पर सायरा बानो, रोशनी सहित अन्य महिला पुलिस कर्मी मौजूद रही।

ताजिये के जुलूस में शामिल आठ साल के बच्चे की हुई मौत

भदोही, (संवाददाता)। चौरी थाना क्षेत्र के अठगोड़वां गांव में मुहर्रम पर निकले ताजिये के जुलूस में शुक्रवार शाम को हृदयविदारक घटना हो गई। जुलूस में शामिल अरबाज (8) अचानक बेहोश होकर गिर गया। परिजन उसे निजी अस्पताल ले गए, जहां पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। अरबाज की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका। बच्चे की मौत के बाद ताजिया में शामिल लोग शोक में डूब गए। जगरनाथपुर गांव के चुन्नू नट ने बताया कि उनका बेटा अरबाज परिवार के अन्य सदस्यों के साथ ताजिये के जुलूस में शामिल होने गया था। अठगोड़वां से जुलूस बरवां की तरफ जा रहा था।

बीएचयू में दुनिया के पहले आयुर्वेदिक पर्सनलाइज्ड मेडिसिन का क्लीनिकल ट्रायल

वाराणसी, (संवाददाता)। भूलने की बीमारी डिमेंशिया की समस्या से छुटकारा पाने के लिए बीएचयू में दुनिया के पहले आयुर्वेदिक पर्सनलाइज्ड मेडिसिन का क्लीनिकल ट्रायल किया गया है। 60 साल के एक मरीज को उसके शरीर की जरूरत और रिएक्शन के अनुसार दवा दी गई। उसकी क्षमता को समझकर औषधियों का डोज दिया गया। 14 महीने में उसको प्रयोग में रखते हुए दो–दो महीने के अंतराल पर दवा दी गई। दवा और बिना दवा वाले महीने में मरीज के व्यवहार और मानसिक स्थिति के अंतर को जांचा गया। मरीज की याद्दाश्त, मानसिक क्षमताएं और दैनिक कार्य करने की शक्ति बढ़ी और डिप्रेशन कम पाया गया । इस ट्रायल का नाम एन–ऑफ–वन दिया गया। बीएचयू में क्रिया शरीर विभाग के प्रो. किशोर पटवर्धन के साथ जीरियाट्रिक मेडिसिन विभाग के प्रो. शंख शुभ्र चक्रवर्ती ने 2024–2025 के बीच शोध किया है। इसका प्रकाशन 23 जून 2026 को इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एथ्नोफार्माकोलॉजी में हुआ है। शोध में स्वाति शर्मा और विज्ञान संस्थान के सांख्यिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अरुण कौशिक का योगदान रहा है। डॉ. पटवर्धन के अनुसार, कल्याणक घृत आयुर्वेद का एक बहु–औषधीय योग है। इसमें हरड़, आंवला, बहेड़ा, देवदार, हल्दी, जटामांसी, अनार, चंदन सहित कई औषधीय तरल को घृत में मिलाकर दवा बनाई गई। शोध के दौरान बेयजियन सांख्यिकीय विश्लेषण कर अध्ययन किया गया। यह तरल यादाश्त, बुद्धि के लिए उपयोगी है। प्रो. किशोर पटवर्धन ने कहा कि आयुर्वेद में पर्सनलाइज्ड दवा के चलते ट्रायल ज्यादा बेहतर सिद्ध हो सकता है। उम्र बढ़ने के साथ कई लोगों में याददाश्त और सोचने–समझने की क्षमता धीरे–धीरे कम होने लगती है। जब इसका प्रभाव व्यक्ति के दैनिक जीवन पर पड़ने लगता है, तो इस स्थिति को डिमेंशिया कहा जाता है।

अभियान थिएटर ग्रुप के तीन कलाकारों का एनएसडी में चयन

गोरखपुर, (संवाददाता)। अभियान थिएटर ग्रुप ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। संस्था के तीन युवा कलाकारों का चयन नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) के विभिन्न केंद्रों में हुआ है। इसे जिला और पूर्वांचल के रंगमंच के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। संस्था के कलाकार अवधेश कुमार का चयन एनएसडी नई दिल्ली, सुमितेंद्र कुमार का एनएसडी वाराणसी केंद्र और बैदेही शरण का एनएसडी सिक्किम केंद्र में हुआ है। फाइनल वर्कशॉप में 15 प्रतिभागियों में से तीन का चयन किया गया।

'जमौर स्थित इंडियन ऑयल बॉटलिंग प्लांट में इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी का नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव' 'शाहजहांपुर' इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, द्वारा जमौर स्थित इंडियन ऑयल बॉटलिंग प्लांट में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ददरौल की चिकित्सकीय टीम के सहयोग से नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया गया। यह शिविर शनिवार को प्रातः से प्रारंभ हुए

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।